हादसा | चार दिनों में एक दर्जन से अधिक सड़क हादसों ने बढ़ाई चिंता, सड़क से नीचे उतरकर पलटा वाहन

बम्हनी में रेत से लदा ट्रैक्टर पलटा, चालक की मौत

बम्हनी, नवभारत। जिले में रेत के अवैध परिवहन ने अब खूनी रूप अख्तियार करना शुरू कर दिया है। मंगलवार दोपहर बम्हनी थाना क्षेत्र के सेमरटोला के पास रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण हादसे में ट्रैक्टर के नीचे दबने से चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बम्हनी पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

जानकारी अनुसार मोहगांव पाला सुंदर निवासी अंकित दास मांगरे पिता मंगल दोपहर के समय भड़िया स्थित रेत खदान से ट्रैक्टर-ट्रॉली में रेत लोड कर निकला था। जैसे ही वह सेमरटोला के पास पहुँचा, तेज रफ्तार ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क से नीचे उतरकर पलट गया। ट्रैक्टर का इंजन पलटने से चालक अंकित उसके नीचे पूरी तरह दब गया। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।

दिन-रात दौड़ रहे मौत बनकर वाहन

क्षेत्रीय ग्रामीणों का आरोप है कि बंजर नदी के विभिन्न घाटों से इन दिनों दिन-रात रेत का अंधाधुंध उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। रेत माफियाओं के दबाव या अधिक चक्कर लगाने के लालच में ट्रैक्टर चालक वाहनों को बेहद लापरवाही और तेज रफ्तार से चलाते हैं। पिछले मात्र चार दिनों के भीतर जिले में करीब एक दर्जन से अधिक सड़क दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं, जिनमें कई राहगीरों और चालकों ने अपनी जान गंवाई है।

पुलिस ने शुरू की जांच

बम्हनी पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की सूक्ष्मता से जाँच की जा रही है कि ट्रैक्टर कहाँ से आ रहा था और वाहन के पास वैध दस्तावेज थे या नहीं। इस घटना के बाद से क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन को लेकर एक बार फिर आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से माँग की है कि इन बेलगाम दौड़ते रेत के वाहनों पर तत्काल अंकुश लगाया जाए जिससे भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, गंभीर घायल

भुआबिछिया। मंडला रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। मंगलवार को चारटोला पाण्डुतला के समीप एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल उपचार के लिए बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

जानकारी अनुसार घायल युवक की पहचान ओमप्रकाश परते, निवासी मोहनिया पटपरा के रूप में हुई है। बताया गया कि ओमप्रकाश अपनी बाइक से वापस घर जा रहा था, तभी चारटोला के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गया और उसे गंभीर चोटें आईं। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस और हाईवे हेल्पलाइन नंबर 1033 पर दी। जहां एम्बुलेंस में तैनात ईएमटी रंजीत यादव और ड्राइवर शरद झारिया ने घायल की स्थिति को देखते हुए मौके पर ही उसका प्राथमिक उपचार शुरू किया और बिना समय गँवाए उसे बिछिया अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

मामले की जाँच में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुँच गई। पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। फिलहाल टक्कर मारने वाले वाहन का सुराग नहीं लग पाया है, पुलिस आसपास के सीसीटीवी और चश्मदीदों के आधार पर वाहन की तलाश कर रही है।

खिड़की-दरवाजे बंद कर परीक्षा देने को मजबूर छात्र

स्कूल के पास वेयरहाउस में मधुमक्खियों का डेरा, दहशत में छात्र और ग्रामीण

नारायणगंज। जिले के निवास क्षेत्र में हाल ही में मधुमक्खियों के हमले में छात्रों के घायल होने की गंभीर घटना के बावजूद शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है। ताजा मामला नारायणगंज विकासखंड के अंतर्गत ग्राम टिकरिया का है, जहाँ माध्यमिक शाला के ठीक सामने स्थित एक वेयरहाउस में मधुमक्खियों ने विशाल छत्ता बना लिया है। इसके चलते स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों और ग्रामीणों के सिर पर हर वक्त खतरे की तलवार लटकी हुई है।

शिक्षकों ने बताया कि विगत एक पखवाड़े पहले टिकरिया ग्राम पंचायत के सरपंच को इसकी सूचना दी गई, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। अब परीक्षाएं शुरू हो चुकी है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए मंगलवार को शिक्षकों ने नारायणगंज बीईओ को लिखित में आवेदन देकर सूचित किया है।

ग्रामीणों ने बताया कि टिकरिया माध्यमिक शाला में वर्तमान में लगभग 250 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। सोमवार सुबह जब बच्चे स्कूल पहुँचे, तो अचानक मधुमक्खियों ने उड़ना शुरू कर दिया और कुछ छात्र-छात्राओं को काट लिया। इस अचानक हुए हमले से स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। स्थिति इतनी भयावह हो गई कि शाला प्रबंधन को सुरक्षा की दृष्टि से कमरों के खिड़की और दरवाजे पूरी तरह बंद करने पड़े। बंद कमरों और उमस के बीच ही बच्चों को अपनी वार्षिक परीक्षा देनी पड़ी।

प्रशासनिक अनदेखी पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

स्थानीय ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि वेयरहाउस में लगा यह छत्ता काफी समय से मौजूद है, लेकिन इसे हटाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। निवास की घटना में कई बच्चे घायल हुए थे, उसके बाद भी शिक्षा विभाग ने जिले के अन्य स्कूलों की सुरक्षा ऑडिट नहीं कराई। ग्रामीणों का कहना है कि मधुमक्खियां कभी भी हिंसक हो सकती हैं और यदि समय रहते छत्ते को नहीं हटाया गया, तो यहाँ भी निवास जैसी बड़ी अनहोनी घट सकती है।

शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

स्कूल के ठीक सामने इस तरह का खतरा होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी सवालिया निशान खड़े करती है। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि स्कूल के किसी भी बच्चे या स्टाफ के साथ कोई अप्रिय घटना घटती है, तो इसकी संपूर्ण जवाबदारी शिक्षा विभाग और संबंधित वेयरहाउस प्रबंधन की होगी। अभिभावकों ने कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी से मांग की है कि परीक्षा के इस संवेदनशील समय में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और विशेषज्ञों की मदद से तत्काल इस छत्ते को हटवाया जाए।

मानदेय भुगतान मिलते ही मूल्यांकन कार्य पर लौटे शिक्षक

कलेक्टर की पहल पर नैनपुर में शुरू हुआ 5वीं-8वीं बोर्ड परीक्षा का मूल्यांकन

नैनपुर। नैनपुर ब्लॉक में कक्षा पांचवीं और आठवीं बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य में आ रहा गतिरोध जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा के हस्तक्षेप के बाद समाप्त हो गया है। मानदेय का भुगतान न होने के कारण मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार कर रहे शिक्षकों को बकाया राशि मिलते ही मूल्यांकन प्रक्रिया पुन: सुचारू रूप से शुरू कर दी गई है।

नैनपुर में शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार किए जाने के बाद स्थिति बनी हुई थी, लेकिन पिछले दो दिनों तक विभाग के अधिकारियों ने इस पर कोई ठोस पहल नहीं की थी। जब यह मामला जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा के संज्ञान में आया, तो उन्होंने डीपीसी कार्यालय को तत्काल मानदेय भुगतान सुनिश्चित कर मूल्यांकन कार्य आरंभ करवाने के कड़े निर्देश दिए।

कलेक्टर के आदेशों का पालन करते हुए रविवार के दिन अवकाश होने के बावजूद डीपीसी कार्यालय ने मूल्यांकनकर्ताओं के भुगतान के लिए बिल तैयार किए। इसके बाद नैनपुर स्थित उत्कृष्ट विद्यालय के मूल्यांकन केंद्र प्रभारी के खाते में राशि अंतरित कर दी गई। भुगतान की पुष्टि होते ही सोमवार, 09 मार्च 2026 की सुबह सभी शिक्षक मूल्यांकन केंद्र पहुँचे और उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच का कार्य शुरू कर दिया।

शिक्षकों ने जताया आभार

मूल्यांकन कार्य में संलग्न शिक्षकों ने अपनी समस्या को गंभीरता से लेने के लिए जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा का धन्यवाद ज्ञापित किया है। साथ ही, त्वरित कार्यवाही के लिए डीपीसी कार्यालय, एपीसी शेषमणि गौतम और नैनपुर बीआरसी विजेंद्रधर द्विवेदी का आभार व्यक्त किया।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच अपाक्स जिलाध्यक्ष संजीव सोनी ने गंभीर मुद्दा उठाया है। उन्होंने बताया कि पिछले कई वर्षों से कक्षा 5वीं-8वीं और 9वीं-11वीं की उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचे वाले शिक्षकों को उनका मानदेय नहीं मिल रहा है, जबकि राज्य शासन द्वारा यह राशि पूर्व में ही जारी की जा चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि डीपीसी और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा सभी शिक्षकों को समय पर बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया, तो शिक्षकों को मजबूरन धरना-प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। इस संबंध में एपीसी शेषमणि गौतम ने बताया कि 5वीं-8वीं कक्षा के वर्ष 2023-24 की लंबित राशि का भुगतान संबंधित मूल्यांकन केंद्र प्रभारियों के खाते में कर दिया गया है, जिसे शीघ्र ही सभी मूल्यांकनकर्ताओं के व्यक्तिगत खातों में जमा करवा दिया जाएगा।

नव भारत खबर का असर

नदी में नहाने गया युवक डूबा, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नारायणगंज के पास एनएच-30 पर हुआ हादसा

नारायणगंज। जिले के टिकरिया थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे-30 पर बालई नदी के पुल के समीप सोमवार दोपहर एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहाँ नहाने गए एक युवक के डूबने से हड़कंप मच गया। लापता युवक की पहचान सुभाष भलावी 28 वर्ष के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के नागपुर जिले का निवासी था।

जानकारी अनुसार सुभाष भलावी एनएच-30 पर चल रहे निर्माण कार्य में कार्यरत था। सोमवार दोपहर काम समाप्त करने के बाद वह अपने साथियों के साथ बालई नदी में नहाने गया था। नहाने के दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते डूब गया। साथियों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

मौके पर पहुंची पुलिस और रेस्क्यू टीम

घटना की सूचना मिलते ही टिकरिया थाना प्रभारी प्रदीप पांडे मय पुलिस बल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे। इसके बाद एसडीआरईएफ की टीम को सूचित किया गया। एसडीआरईएफ रेस्क्यू टीम प्रभारी सुरेश बंसोड़ के नेतृत्व में गोताखोरों ने नदी में युवक की तलाश के लिए सघन अभियान शुरू किया।

टीम द्वारा सोमवार को पूरे दिन नदी के गहरे हिस्सों में युवक की खोजबीन की गई, लेकिन देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका। सुरक्षा कारणों और अंधेरा हो जाने के चलते शाम को रेस्क्यू ऑपरेशन को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। एसडीआरईएफ टीम ने मंगलवार सुबह सूर्योदय के साथ ही पुन: व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। समाचार लिखे जाने तक एसडीआरईएफ टीम युवक की तालाश जारी रही, लेकिन युवक का पता नहीं चल सका।

परिजनों को दी गई सूचना

पुलिस ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी लापता युवक के परिजनों को दे दी है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए है और रेस्क्यू टीम के साथ समन्वय स्थापित कर आगे की कार्वाई में जुटी है।

खाली दौड़ रहीं ट्रेनें, आय और यात्री सुविधाओं पर उठे सवाल

मंडला फोर्ट स्टेशन पर समय-सारणी और सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे यात्री

नैनपुर। मंडला और महाराजपुर क्षेत्र में पिछले 8 महीनों से ट्रेनों का परिचालन शुरू होना क्षेत्र के विकास के लिए एक सकारात्मक कदम माना गया था, लेकिन वर्तमान स्थिति कुछ और ही कहानी बया कर रही है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि उचित प्रचार-प्रसार और अव्यावहारिक समय-सारणी के कारण ट्रेनें अक्सर खाली दौड़ रही हैं, जिससे रेलवे को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सैकड़ों वर्ष पुराने ऐतिहासिक मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन से वर्तमान में 2-3 ट्रेनों का संचालन हो रहा है। यात्रियों का कहना है कि इन ट्रेनों का समय आम जनता की सुविधा के अनुकूल नहीं है। समय सही न होने के कारण यात्री निजी साधनों का रुख कर रहे हैं और ट्रेनें खाली चल रही हैं। हाल ही में शुरू हुई जबलपुर सीधी सेवा का भी पर्याप्त प्रचार नहीं होने से यात्रियों की संख्या नगण्य बनी हुई है।

पेंचवेली एक्सप्रेस और सुविधाओं की मांग

स्थानीय समाजसेवी अखिलेश सोनी ने मांग की है कि मंडला फोर्ट से पेंचवेली एक्सप्रेस का संचालन जल्द शुरू किया जाना चाहिए। इसके साथ ही ट्रेनों में एसी और जनरल डिब्बों की संख्या बढ़ाई जाए जिससे यात्रियों को लंबी वेटिंग लिस्ट से राहत मिल सके। वहीं नितिन सोलंकी का कहना है कि जब तक ट्रेनों के समय में जनहित को ध्यान में रखते हुए बदलाव नहीं किया जाएगा, तब तक इनका लाभ आम जनता को नहीं मिल पाएगा।

प्रशासनिक अनदेखी का लगाया आरोप

क्षेत्रीयजनों सहित यात्रियों ने रेलवे पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार ट्रेनों को आउटर पर बेवजह खड़ा कर दिया जाता है, जिससे छोटी दूरी तय करने में भी 5 से 6 घंटे का समय लग जाता है। रेलवे संघर्ष समिति के अध्यक्ष अनूप मिश्रा का कहना है कि स्टेशन पर सुविधाओं का विस्तार बेहद धीमी गति से हो रहा है, जिससे यात्रियों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

नए रेल मार्गों को लेकर उठी मांग

क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से रंजीत कछवाहा ने मांग उठाई है कि बिलासपुर-जबलपुर और पेंड्रा-नरसिंहपुर रेलमार्ग, जिनका सर्वे पूर्व में हो चुका है, उन पर ठोस कार्यवाही शुरू की जानी चाहिए। रेलवे बोर्ड को इन नए रेलमार्गों के निर्माण की रूपरेखा जल्द तैयार करनी चाहिए जिससे मंडला जिला सीधे अन्य बड़े केंद्रों से जुड़ सके। मंडला फोर्ट स्टेशन की इस बदहाली और ट्रेनों के खाली परिचालन पर अब स्थानीय जनता जनप्रतिनिधियों और रेलवे प्रशासन से ठोस जवाब और त्वरित सुधार की अपेक्षा कर रही है।

कातिल और मृतिका की नहीं हुई पहचान

जबलपुर। लार्डगंज थाना अंतर्गत रानीताल ईदगाह के पास गला रेतकर की गई महिला की हत्या की गुत्थी उलझ गई है। अब तक न तो कातिल का पता लग सका है और न ही मृतिका की पहचान हो सकी है। हालांकि पुलिस छानबीन में जुट गई है। गुमशुदगी रिकॉर्ड को भी खंगाला गया लेकिन शिनाख्त नहीं हो पाई अब पुलिस ने आसपास के जिलों की पुलिस को भी मृतिका की फोटो शेयर की है। इसके साथ ही हर एंगल पर पतासाजी की जा रही है। विदित हो कि रानीताल ईदगाह के पास रविवार सुबह एक महिला का शव पड़ा मिला था ।मृतिका की धारदार हथियार से हमला कर हत्या की गई थी। जिसकी गर्दन और पेट में चोट के निशान मिले थे। पुलिस ने रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया था। हत्या किसने और किन कारणों से की है एवं मृतिका कौन है एवं कहां की रहने वाली है इसका भी पुलिस पता नहीं लगा पाई है। टीआई नवल सिंह आर्य ने बताया कि मृतिका की उम्र लगभग 30 वर्षीय है। जिसकी शिनाख्तगी के प्रयास जारी है। गुमशुदगी रिकॉर्ड भी खंगाल रही है लेकिन अब तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे है। हत्या की गुत्थी सुलझाने पुलिस हर एंगल पर तफ्तीश कर रही है ।

अधेड़ ने जहर खाकर दी जान, छानबीन में जुटी पुलिस

जबलपुर। घमापुर निवासी अधेड़ ने जहरीली वस्तु का सेवन कर आत्महत्या कर ली। मृतक ने यह आत्मघाती कदम किन परिस्थितियों में उठाया इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घमापुर निवासी कमलेश कुमार कुशवाहा (48) बिजली कर्मी हैं, बीती रात करीब 8:30 बजे जब वह अपने दोस्त के घर पर था, तभी उसकी पत्नी ने फोन कर जानकारी दी कि उनके बड़े भाई यशवंत कुमार कुशवाहा (54) अचानक बेहोश हो गए हैं। परिजनों ने आनन-फानन में पड़ोसियों की मदद से यशवंत को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान यशवंत ने डॉक्टर को बताया कि उसने सल्फास का सेवन कर लिया है। डॉक्टरों के काफी प्रयासों के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका और रात लगभग 10:50 बजे उनकी मौत हो गई। सोमवार को मृतक के भाई की सूचना पर घमापुर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

छात्राओं को स्वास्थ्य और शिक्षा की दी महत्वपूर्ण सीख

एकलव्य आवासीय विद्यालय घुघरी में छात्राओं को मिला प्रशासनिक मार्गदर्शन

घुघरी। स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से मंगलवार को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय घुघरी में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नवागत अनुविभागीय अधिकारी सचिन जैन ने छात्राओं के साथ सीधा संवाद कर उन्हें जीवन की बारीकियों और बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया।

एसडीएम सचिन जैन ने विशेष रूप से 14 से 15 वर्ष की आयु वर्ग की छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि सही समय पर लिया गया टीकाकरण एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की नींव है। एसडीएम के प्रभावी संवाद का सकारात्मक असर देखने को मिला और छात्राओं ने बिना किसी झिझक के उत्साहपूर्वक वैक्सीनेशन कराया।

शिक्षा और कैरियर निर्माण पर किया संवाद

प्रशासनिक अनुभव साझा करते हुए एसडीएम ने छात्राओं को पढ़ाई की सूक्ष्म विधाओं और करियर निर्माण के गुर सिखाए। उन्होंने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्राओं ने भी प्रशासनिक मार्गदर्शन प्राप्त कर उज्ज्वल भविष्य और बेहतर शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

विभागीय समन्वय से सफल हुआ आयोजन

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने टीम भावना के साथ कार्य किया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी एलएस उईके ने छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। स्वास्थ्य विभाग से बीईई इंद्रा बैरागी और आरकेएसके काउंसलर ने सामूहिक परामर्श के माध्यम से एचपीवी वैक्सीन से जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया और छात्राओं को सही जानकारी प्रदान की। इस आयोजन ने न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाई, बल्कि छात्राओं को प्रशासनिक स्तर पर मार्गदर्शन प्रदान कर उनके आत्मविश्वास को भी नई ऊँचाई दी।